



Yeshwantrao
Chavan Centre
Presents



National School
of Drama, Delhi
Production

1994

A Hindi play based on
Shri Harishankar Parsai's
Satire

लड़ी नजरिया

Written by
Abhiram Bhadkamkar

Designed & Directed by
Waman Kendre





कथासार

भोला-भाला नाम्या कथावाचक सीताराम की पत्नी सावित्री से मुहब्बत कर बैठता है। सनकीदास की सलाह पर नाम्या सावित्री को पाने की लालसा से अनशन पर जा बैठता है। इस प्रजातांत्रिक अस्त्र के सामने क्रोधित सावित्री का विरोध बेकार जाता है। एक राष्ट्र-संन्यासिनी आकर नाम्या को पूर्व जन्म का महर्षि वनमानुष और सावित्री को उसकी पत्नी घोषित करती है। जनरोष एवं राजनीतिक दबाव से सावित्री नाम्या को सुपुर्द करने की घोषणा कर दी जाती है। और

Precise

Innocent Namya falls in love with Savitri, wife of Kathvachak - Sitaram. As an advice from Sankidas, he sits for hunger-strike, to get Savitri. By using this democratic device, Namya is successful in his cause for a brief period and Savitri's efforts against Namya goes futile. Later on "Sadhvi" declares Namya as "Maharishi Vanmanush" in his previous birth and Savitri as the wife of Maharishi consequently, with political indulgence followed by the pressure of the people on her, Savitri is ordered to surrender herself to Namya and then

निर्देशकीय

यह न्यायोचित नहीं होगा कि लोक एवं यथार्थवादी रंगमंच के तत्वों को अलग-अलग खानों में रखा जाए। यथार्थवादी अभिनेता का भी मूल आधार तत्व वही है; जो हमारे समृद्ध लोक-रंगमंच के अभिनेता का है।

किसी फार्म विशेष के दायरे में रहकर या कुछ फार्मों को मिलाकर प्रस्तुति करना कोई नई बात नहीं है। वर्तमान नाट्य-प्रस्तुति किसी एक फार्म विशेष में संकुचित नहीं है; बल्कि इसमें लोकरूपों के तत्वों का व्यापक इस्तेमाल हुआ है।

किसी पूर्व-रचित नाटक का चयन न करने के पीछे उद्देश्य यही था कि छात्रों को एक नाटक की 'विचार से प्रस्तुति तक' की जो पूरी प्रक्रिया है; उससे परिचित करवाया जाए। निश्चित रूप से इस कार्यशाला ने परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से छात्रों में लोक-रंगमंच की समझदारी में योगदान किया होगा। कहानी और प्रक्रिया के परिणाम से नाटक का फार्म स्वतः उद्घाटित हुआ। और वर्तमान रंगमंच की यही आवश्यकता है। नाटक का कथ्य और तथ्य अपने फार्म का चुनाव खुद करे, न कि उसे उसपर थोपा जाए।

यह एक सम्पूर्ण प्रस्तुति नहीं है बल्कि आभ्यासिक प्रदर्शन है; जो छात्रों को रंगमंच की शक्ति और संभावनाओं से परिचित करवायेगा।

About The Writer

Abhiram Bhadkamkar, a graduate from National School of Drama, is a promising name leaving his marks as an actor and a playwright on Hindi and Marathi Stage. "Apalak - Nidrahin", "Comred ka Coat" (Hindi), "Hasat Khelat", "Pahuna", "Janm", "Jyacha Tyacha Prashna" (Marathi), are the examples of his fine works, Proving his capabilities as a sensible playwright. He owes in his name the credits of writing scripts for 4 Marathi films and many T.V. serials.

About The Director

Waman Kendre is a well-known director from Maharashtra. His work is acclaimed Nationwide in Marathi, Hindi and English. He has directed notable productions in various styles such as "Zulwa", "Nati-Goti", "Dusara Samana", "Ek Zunj Waryashi", "Teen Paishacha Tamasha" (Marathi), "Gadhe ki Barat", "Sainya Bhaye Kotwal" (Hindi), "Tempt Me Not" (English) and many others. He has received number of state awards for his plays. He has done his research of folk Theatre in Kerala & conducted many workshops for actors and directors. Waman Kendre is a graduate from National School of Drama.

